



Literacy for a Billion

Movie: Prem Rog

Year: 1982

ये दिन क्यों निकलता है
ये रात क्यों होती है
ये पीड़ा कहाँ से उठती है
ये आँख क्यों रोती है
मोहब्बत है क्या चीज़
मोहब्बत है क्या चीज़
हमको बताओ
मोहब्बत है क्या चीज़
हमको बताओ
ये किसने शुरू की
किसने शुरू की
हमें भी सुनाओ
मोहब्बत है क्या चीज़
हमको बताओ
ये किसने शुरू की
हमें भी सुनाओ
मोहब्बत है क्या चीज़
मोहब्बत है क्या चीज़

शाम तक एक भँवरा
फूल पर मण्डला रहा
रात होने पर कमल की
पंखुड़ी में बंद था
कैद से छूटा सुबह तो
हमने पूछा क्या हुआ
कैद से छूटा सुबह तो
हमने पूछा क्या हुआ
कुछ न बोला कुछ न बोला
कुछ न बोला अपनी धुन में

Song: Mohabbat Hai Kya Cheez

Lyricist: Shantosh Anand

बस यही गाता रहा
मोहब्बत है क्या चीज़
हमको बताओ
ये किसने शुरू की
हमें भी सुनाओ
मोहब्बत है क्या चीज़
मोहब्बत है क्या चीज़

दहकता है बदन कैसे
सुलगती है ये साँसे क्यों
ये कैसी आग होती है
पिघलती है ये शमा क्यों
दहकता है बदन कैसे
सुलगती है ये साँसे क्यों
ये कैसी आग होती है
पिघलती है ये शमा क्यों
जल उठी शमा तो मचलकर
परवाना आ गया
आग के दामन में अपने आपको
लिपटा दिया
हमने पूछा दुसरे की आग में
रखा है क्या
कुछ न बोला कुछ न बोला
कुछ न बोला अपनी धुन में
बस यही गाता रहा
मोहब्बत है क्या चीज़
हमको बताओ
ये किसने शुरू की
हमें भी सुनाओ

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.



Literacy for a Billion

मोहब्बत है क्या चीज़
मोहब्बत है क्या चीज़

नशा होता है कैसा
बहकते हैं कदम कैसे
नज़र कुछ भी नहीं आता
ये मस्ती कैसी होती है
एक दिन गुज़रे जो हम
मयकदे के मोड़ से
एक मयक़श जा रहा था
मय से रिश्ता जोड़ के
हमने पूछा किसलिए तू
उम्रभर पीता रहा
हमने पूछा किसलिए तू
उम्रभर पीता रहा

कुछ न बोला कुछ न बोला
कुछ न बोला अपनी धुन में
बस यही गाता रहा
मोहब्बत है क्या चीज़
हमको बताओ
ये किसने शुरू की
हमें भी सुनाओ
मोहब्बत है क्या चीज़
हमको बताओ
ये किसने शुरू की
हमें भी सुनाओ
मोहब्बत है क्या चीज़
मोहब्बत है क्या चीज़
मोहब्बत है क्या चीज़
मोहब्बत है क्या चीज़

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.